केवल एक एक्ट से नहीं होगा

परत-दर-परत

प्रभात कुमार रॉय

जंतर मंतर पर अनशन से उत्पन्न हुई अन्ना की असीम लोकप्रियता से बौखला कर अनेक राजनेताओं ने अन्ना के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। अन्ना ने गुजरात की मोदी सरकार के द्वारा किए गए डेवलपमेंट की जरा सी तारीफ क्या कर दी, कथित सेकुलर नेता तो उन पर टूट ही पड़े, जबकि अन्ना ने नरेंद्र मोदी के सांप्रदायिक नजरिए को सदैव ही कंडम किया है। अन्ना हजारे ने आज के राजनीतिज्ञों को आमतौर पर करप्ट करार दे दिया तो उनके इस बयान पर भी कड़ी प्रतिक्रिया सामने आई। बीजेपी के शीर्ष नेता लालकृष्ण आडवाणी और प्रवक्ता प्रभात झा ने तो खुलकर अन्ना हजारे पर हमला बोल दिया। इस तथ्य में जरा-सा भी शक की गुंजाइश नहीं है कि भ्रष्टतम दौर में भी अनेक राजनेता और ऑफिसर बेहद ईमानदारी से अपना काम अंजाम दे रहे हैं, किंतु इनकी संख्या इतनी कम हो गई है कि ये सभी सामाजिक-राजनीतिक तौर पर बिलकुल इन्इफैक्टिव से प्रतीत हो रहे हैं। तभी तो देश में चारो तरफ इस कदर हाहाकार मचा हुआ है और समूचा राष्ट्र भ्रष्टाचार और महंगाई से त्रस्त है। हमारे देश में कहावत मशहूर है कि एक सड़ी मछली ही सारे तालाब को गंदा कर देती है, पर यहां तो तालाब में बड़े-बड़े सड़े मगरमच्छ तैर रहे हैं।

राजधानी दिल्ली से बहुत दूर बसे महाराष्ट्र के बेनाम से एक गांव रालेगांव सिद्धी को आदर्श गांव बनाकर विश्व प्रसिद्ध कर दिया था अन्ना हजारे ने। 15 साल इंडियन आर्मी में सर्विस करने के बाद अपने गांव रालेगांव सिद्धी लौटकर अन्ना हजारे ने लिजेंडरी ग्रेट लाल बहादुर शास्त्री के 'जय जवान जय किसान' के नारे को साकार रूप प्रदान कर दिखाया। सूखा प्रभावित अपने सेले गांव सिद्धी को वाटर शेडिंग सिस्टम से सराबोर करके खेतों को लहलहा दिया। 1992 से आगाज हुआ था अन्ना का क्रूसेड अगेन्स्ट करप्शन का अभियान। महाराष्ट्र की तीन सौ तहसीलों में हर एक में रालेगांव सिद्धी सरीखा विलेज सेजित करने का प्रोजेक्ट अन्ना को सरकार ने दिया। इस प्रोजेक्ट पर काम करते हुए अन्ना को बहुत सारे करप्ट पोलिटिशियंस और ब्यूरोक्रेट्स के असल चेहरों के दीदार हुए। अन्ना हजारे द्वारा संचालित क्रूसेड अगेन्स्ट करप्शन ने चार सौ से अधिक मोस्ट करप्टड ऑफिसरों को बर्खास्त करवाया। इस अभियान ने महाराष्ट्र गवर्नमेंट के छः करप्ट मिनिस्टरों की कुर्सियां छीन ली। शीर्ष राजसत्ता में भ्रष्टाचार के सवाल पर दिल्ली के जंतर-मंतर पर अनशन करके और सिविल सोसाइटी के जबरदस्त समर्थन से दिल्ली की सत्ता को झुका कर अन्ना हजारे ने इतिहास तो रच दिया, किंतु आगे कामयाबी की डगर बेहद मुश्किल है। राजसत्ता के शिखर पर काबिज रही

अन्ना का संग्राम भी कामयाब हो सकता है, बशर्ते हम भारतवासी जंग ए आजादी की तरह उठ खड़े हों और अपनी नादानी और उदासीनता का पूर्णतः परित्याग कर दें

भ्रष्टता को आसानी से केवल जन-लोकपाल एक्ट पास कराकर ही पराजित नहीं किया जा सकेगा।

किसी भी कानूनी एक्ट में लूपहोल्स निकाल लेने में व्हाइट कालर करप्ट क्रिमिनल्स सदैव ही बेहद माहिर रहे हैं। करप्ट क्रिमिनल्स को राष्ट्र के नक्शे से तभी खत्म किया जा सकेगा, जब राजसत्ता के सबसे अहम स्तंभ संसद से भ्रष्टाचारियों को आम चुनाव में हमेशा निकाल बाहर करे। मुल्क से करप्शन को देश निकाला देने की कुव्वत कदाचित किसी कानूनी एक्ट में निहित नहीं है। यह असीम शक्ति केवल देश की मूक, निरीह, लाचार, बेबस कहलाने वाले जनमानस में ही निहित है, जिसे अन्ना हजारे ने जागृत करने का कामयाब प्रयास अंजाम दिया। जनमानस जागृत होकर भ्रष्ट नेताओं का चुनाव के दिन सफाया कर सकता है, जो उसे अकूत धन के दम-खम पर जात-बिरादरी और कौम-मजहब, प्रांत-भाषा के नाम पर बहका और बरगलाकर संसद अथवा विधान सभाओं में दाखिल होता है। इसके बाद शुरू हो जाता है लाखों-करोड़ों रुपयों का घोटाला जो कभी बोफोर्स तोप स्कैंडल के रूप में, तो कभी 2 लाख करोड़ के अनाज स्कैंडल के तौर पर और कभी 2 जी स्पैक्ट्रम स्कैंडल के तौर पर सामने आता है। व्हाइट कालर करप्ट क्रिमिनल्स को बाकायदा यकीन होता है कि अकूत धन के दमखम पर वे किसी सजा से साफ बच निकलेंगे, क्योंकि देश के इतिहास में किसी बड़े व्हाइट कालर करप्ट क्रिमिनल को कोई कानून अभी बहुत सख्त सजा दे नहीं सका है।

अन्ना का संग्राम भी कामयाब हो सकता है, बशर्ते हम भारतवासी जंग ए आजादी की तरह उठ खड़े हों और अपनी नादानी और उदासीनता का पूर्णतः परित्याग कर दें। तमाम पार्टियों के व्हाइट कालर करप्ट क्रिमिनल्स का बायकाट करके, उन्हें चुनाव के मैदान में जबरदस्त शिकस्त दें। हम भारतवासी जाति-पांति, धर्म-मजहब, भाषा और प्रांतियता के सियासी जाल-जंजाल को नेस्तोनाबूद करके दिखा दें। अन्ना के संग्राम इंडिया अगेन्स्ट करप्शन के कारण हताशा-निराशा में खोया सोया भारत जाग उठा है, अब इस मुहिम को जब ईमानदार देशभक्त गवर्नमेंट के सृजन तक ले जाना होगा। जो भी भुक्तभोगी है-प्रताड़ित है, उसे अब आगे आने का वक्त आ गया है।

Reproduced by www.hobbyshobby.com with author's permission